

IB (P.Y.P.) & Cambridge (Primary)

बाल पतवार ४



संदीप पाटिल

IB (P.Y.P.)
&
Cambridge (Primary)



संदीप पाटिल

प्रकाशक

सुवर्णा संदीप पाटिल
ए-१८, ग्रीन एवेन्यू
सौराष्ट्र युनिवर्सिटी के पास
राजકोट (गुजरात) - ३६० ००५

प्रथम संस्करण - २०२२

ISBN : 978-1-5136-9952-3

© COPYRIGHT

ALL RIGHT RESERVED

ग्राफिक्स तथा आर्टवर्क

नेमि ग्राफिक्स, राजकोट

मुद्रक

सुवर्णा संदीप पाटिल
राजकोट - ३६० ००३
मो. ०९७२३३५०७९८
Email : patilsandips89@gmail.com
Web : www.patvar.in

सर्वाधिकार सुरक्षित

इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रतिलिपिकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे यह पुनः प्राप्त किया जा सकता हो अथवा स्थानांतरण, किसी भी रूप में अथवा किसी भी विधि द्वारा यांत्रिक, इलेक्ट्रॉनिक, प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य किसी प्रकार से, प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

प्राक्कथन

सर्वप्रथम ‘पतवार’ पाठ्यपुस्तक शृंखला को सफल बनाने के लिए मैं आप सभी का आभारी हूँ। इसी शृंखला की अगली कड़ी के लप में आपके सामने प्रस्तुत है - ‘बाल पतवार’।

‘बाल पतवार’ - 4 का निर्माण आई.बी.-पी.वाई.पी. तथा कैंब्रिज के भाषा उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया है। बाल मनोविज्ञान को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यपुस्तक का प्रत्येक विभाग छात्रों में भाषा के प्रति लगाव उत्पन्न करने में सफल होगा। जैसे : ‘देखो, सोचो, बोलो’ के द्वारा छात्र चित्रों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रेरित होंगे।

‘बाल पतवार’ - 4 की प्रत्येक इकाई की विषय-वस्तु आपको आधुनिक विश्व से जुड़ी हुई प्रतीत होगी। जिससे छात्र उस इकाई से जुड़ा हुआ महसूस करेगा। प्रत्येक इकाई के अंत तक प्रत्येक छात्र कम से कम 25 नए शब्दों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेगा। जिससे छात्र दैनिक जीवन में भाषा का आसानी से प्रयोग कर सकेगा।

‘बाल पतवार’ - 4 की प्रत्येक इकाई के अंतर्गत ‘क्या आप बता सकते हैं ? तथा ‘कुछ करें’ इन विभागों के माध्यम से छात्रों की विषय-वस्तु के बारे में नज़रिया जानने का प्रयास किया गया है। ‘क्या आप बता सकते हैं ? के अंतर्गत छात्र अपने चिंतन कौशल का प्रयोग कर प्रश्नों का उत्तर देने में सफल होंगे। ‘कुछ करें’ इस विभाग के अंतर्गत छात्र विषय-वस्तु के बारे में अपनी समझ को व्यक्त करने में सफल होंगे। ‘अपनो से बातें’ इस विभाग के द्वारा छात्रों को घर के प्रत्येक सदस्य के साथ अर्थपूर्ण बातचीत करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया है। छात्रों के वाचन तथा लेखन के लिए पर्याप्त विषय-वस्तु का समावेश किया गया है। जिससे छात्र के सभी कौशलों का कमानुसार विकास होगा।

मैं आशा करता हूँ कि ‘बाल पतवार’ की यह शृंखला आप सभी के लिए सहायक सिद्ध हो।

आपका
संदीप पाटिल

अनुक्रमणिका

इकाई 1 : हमारे आसपास

देखो, सोचो, बोलो

सुनो और समझो

पढ़ों और समझो

संवाद – वस्तु विक्रेता

संवाद – पुस्तकालय

भाषा की समझ : संज्ञा

कुछ सोचकर लिखें : संवाद लेखन

इकाई 2 : पानी बचाओ

देखो, सोचो, बोलो

सुनो और समझो

पढ़ों और समझो

संवाद – जल है तो कल है

कविता – पानी

भाषा की समझ : लिंग

कुछ सोचकर लिखें : कहानी कम

इकाई 3 : सब्जियाँ हमारी

देखो, सोचो, बोलो

सुनो और समझो

पढ़ों और समझो

कहानी – कैसा शोर

कविता – मिर्च का मज़ा

भाषा की समझ : वचन

कुछ सोचकर लिखें : विवरण

इकाई 4 : सोच- समझकर

देखो, सोचो, बोलो
सुनो और समझो
पढ़ों और समझो
जाटक - भाई, ज़रा देखकर चलो !
कविता - सूरज सिखलाता है हमको
भाषा की समझ : सर्वनाम
कुछ सोचकर लिखें : चित्रकथा

इकाई 5 : खेल

देखो, सोचो, बोलो
सुनो और समझो
पढ़ों और समझो
जानकारी - हमारे खेल
कविता - खरगोश खेले कबड्डी
भाषा की समझ : संयुक्त व्यंजन
कुछ सोचकर लिखें : अनुभव लेखन

इकाई 6 : स्वास्थ्य

देखो, सोचो, बोलो
सुनो और समझो
पढ़ों और समझो
संवाद - ऐसे-ऐसे
कविता - स्वास्थ्य ही धन है
भाषा की समझ : कोई/कुछ, कौन/क्या, यह ये का प्रयोग
कुछ सोचकर लिखें : रूपरेखा के आधार पर कहानी लेखन

इकाई 7 : प्राणी

देखो, सोचो, बोलो
सुनो और समझो
पढ़ों और समझो
जानकारी - चिड़ियाघर की सैर
कविता - चिड़ियारानी
भाषा की समझ : 'र' के विभिन्न रूप
कुछ सोचकर लिखें : पत्रलेखन



देखो, सोचो, बोलो - Skills : Observation, Speaking, Thinking

छात्रों के अवलोकन, चिंतन तथा कथन कौशल का विकास करना। छात्र चित्र, घटना, वाक्य आदि विषय से संबंधित नए शब्दों को जानकर उनका वाक्य में प्रयोग कर अपने विचारों को व्यक्त कर सकेंगे।



सुनो और समझो - Skills : Listening, Thinking, Writing, Observation

छात्र कहानी, सूचना, संवादों का श्रवण कर अपने श्रवण कौशल का विकास कर सकेंगे।



पढ़ो और समझो - Skills : Reading, Writing, Thinking, Communication, Research, Self Management

कविता, नाटक, कहानी, संवाद आदि का वाचन कर उनके अर्थ को समझ सकेंगे।

सुनो - समझो



क्या आप बता सकते हैं ? - (Inquiry based) Skills : Thinking, Communication, Research

छात्रों की विषय के प्रति समझ को विकसित करना जिससे छात्रों का चिंतन कौशल का विकास होगा।



शब्द मेरे साथी : Skills : Thinking, Reading

कठिन शब्दों के अर्थ समझना।

मैंने सीखा:

मैंने सीखा - Skills : Thinking, Self Management

दिए गए पाठ या कविता के बारे में अपनी समझ को जाँच सकेंगे।

भाषा की समझ

भाषा की समझ - Skills : Listening, Thinking, Writing, Observation

भाषा के विविध अंग व्याकरण के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।



अपनों से बातें - Skills : Thinking, Social, Communication

आधुनिक भाग-दौड़ की ज़िंदगी के बीच भी छात्र अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी न किसी रूप से जुड़ेंगे।



कुछ करें - Skills : Thinking, Social, Communication, Research, Self Management

छात्र विषय के प्रति अपनी समझ को नाटक, कविता या प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रस्तुत कर सकेंगे।



कुछ सोचकर लिखें - Skills : Thinking, Writing

लेखन की नई विधा के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

‘बाल पतवार-4’ का निर्माण आई.बी.-पी.वाई. पी. तथा कैंब्रिज के भाषा उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया है।

‘बाल पतवार- 4’ एक विहंगम दृष्टि

1. आई.बी.-पी.वार्ड.पी. तथा कैब्रिज के सभी भाषा कौशलों का समावेश।
 2. प्रत्येक इकाई की शुरुआत में 'देखो, सोचो, बोलो' के द्वारा छात्रों के चिंतन तथा कथन कौशल का विकास।
 3. 'सुनो और समझो' के माध्यम से छात्रों के श्रवण तथा लेखन कौशल का विकास।
 4. 'क्या आप बता सकते हैं?' के द्वारा आप छात्रों के चिंतन कौशल का विकास।
 5. 'भाषा की समझ' तथा 'कुछ सोचकर लिखें' इन विभागों के द्वारा छात्रों के व्याकरण के छोटे-छोटे विषयों तथा लेखन की विविध विधाओं का परिचय।
 6. 'मैंने सीखा' तथा 'कुछ करें' के माध्यम से छात्रों का स्व-मूल्यांकन।

